TenderHeart High School, Sector-33-B, Chandigarh

कक्षा - नौवीं
विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - साहित्य सागर

पाठ-6 'बड़े घर की बेटी' (कहानी) लेखक - प्रेमचन्द

★ निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-
"बेनीमाधव सिंह पुराने ---------- बात को समझ न सका।"

(क) कौन, किसकी, किस बात को न समझ सका ?
उत्तर श्रीकंठ सिंह अपने पिता बेनीमाधव सिंह की इस बात का भाव नहीं समझ सका जब उन्होंने कहा था कि मैं तुमसे बाहर नहीं हूँ। तुम्हारा जो जी चाहे करो, अब तो लड़के से अपराध हो गया।

(ख) बेनीमाधव ने ऐसा क्यों कहा कि 'बेटा, मैं तुमसे बाहर नहीं हूँ। तुम्हारा जी जो चाहे करो, अब तो लड़के से अपराध हो गया।"
उत्तर आनंदी ने पति के आने पर आँखों में आँसू भरकर लालबिहारी के द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और खड़ाऊँ फेंककर मारने वाली घटना बताई तो वे (श्रीकंठ) अपने छोटे भाई पर बहुत बिगड़े और उन्होंने अपने पिता जी से स्पष्ट कह दिया कि इस घर में अब या तो मैं रहूँगा या लाल बिहारी रहेगा। उनके घर के इस झगड़े की बात पूरे गाँव में फैल गई। इस झगड़े के विषय में जब गाँववालों को पता चला तो कुछ को आश्चर्य हुआ और कुछ कुटिल लोग जो इस कुल से जलते थे, बहुत खुश हो गए तथा इस झगड़े का आनंद उठाने के लिए हुक्का पीने तो कोई लगान की रसीद दिखाने के बहाने से बेनीमाधव की

बैठक में आ बैठे। परन्तु बेनीमाधव नहीं चाहते थे कि उनके घर की बात बाहर जाए और हँसी का कारण बने। अत: उन्होंने बड़ी समझदारी के साथ बात को पलटकर कोमल स्वर में श्रीकंठ से कहा - "बेटा मैं तुमसे बाहर नहीं हूँ। तुम्हारा जी जो चाहे करो, अब तो लड़के से अपराध हो गया।" परन्तु श्रीकंठ पिता के इन वाक्यों के पीछे छुपे हुए इशारे व उद्देश्य को समझ न पाए। उसी क्रोध में सबके सामने बोले - "मैं लालबिहारी के साथ अब इस घर में नहीं रह सकता।"

(ग) श्रीकंठ सिंह ने आवेश में आकर अपना कौन-सा अंतिम निश्चय सुनाया?

उत्तर श्रीकंठ सिंह ने आवेश में आकर अपने पिता जी को अपना अंतिम निश्चय सुनाया कि मैं लालबिहारी की इस दुष्टता को सह नहीं सकता। या तो घर में वह रहेगा या मैं। यदि आपको वह अधिक प्यारा है तो मुझे जाने दीजिए और यदि आप मुझे रखना चाहते हैं तो उससे कहिए कि वह चला जाए।

(घ) श्रीकंठ सिंह की बात सुनकर लाल बिहारी की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर श्रीकंठ सिंह की बात सुनकर लालबिहारी को बहुत ग्लानि हुई। वह फूट-फूटकर रोने लगा। वह अपने भाई से आँख भी नहीं मिला पा रहा था। उसकी आँखें शर्म से झुकी हुई थीं। वह अपने भाई के सामने आने पर झिझक रहा था। उसे अपनी गलती का बहुत दुःख हो रहा था।